प्रश्न 5. ‘ दमयन्तीहरण ’ कथाकेँ कथानक स्पश्ट करू ।

अथवा , दमयन्तीहरण ’ कथाक सारांश लिखू ।

उतर राजकमलक जीक प्रायः रचना यर्थाथ घटनाक्रम पर अधारित अछि । दमयन्ती प्रायः सभ कालमे सभ समाजमे भेटि जायत । एहि कथाक जन्म 1956 मे भेल रहय आ वैदेहिमे प्रथम प्रकाशित भेल तत्कालीन समाजमे सामंवादीक प्रभाव छल ।

दमयन्तीक घटनाक्रममे प्रमुख भूमिका जमीन्दार आ कांग्रेसी नेता रामबाबूक अछि ।राजकमल जी सत्त समाजक विकृत रूप केँ अपन लेखनीसँ उजागर करैत रहलाह । तकर पांछा स्वश्थ समाजक स्थापनाक उदेश्य रहल । दमयंती जॅ पथभ्रेष्टा भेलीह त कोनो रूप ,मे समाजक विकृत मानसिकताक लोक जिम्मेवार जरूर अछि ।

एतबेमे कुंजा खबास दौरल आयल । जयभद्र मालिक जल्दि चलिओक । महादेव थानमे बड़का तमाशा लागल छै। की भेलै ? दम्मो दीदी पकड़लि गेल हथिन । मंदिर के पिछुती मे ....

हम दुनू मित्र रामबाबू लग बैसि रहलुँ । रामबाबु - बजला - फूलबाबू सभकेँ त बुझले छैक जे दमिया केहन चरित्रक अछि । एखने मन्दिरक पछुआड़मे पकड़लि गेलि अछि । एतेक मारि पड़लैक अछि - तखनो ई नहि कहैत अछि जे संगमे कोन पुरूष छलैक ।

राति भरि फेर हमरा निन्द नहि भेल । चारि बजे भोरे धारक कात गेलहुँ । घाट पर राखल छल नाह , ओहि पर बैसि सिगरेट जरबितहि छलहुँ कि घाट पर सँ कियो ।बाजलि - ओहि पार जाइत छी । फूल - बाबू । भयसँ देह सिहरि गेल । पुनि वैह खिल- खिल हँसी , ओएह अपराजिता , वैह स्वर लहरी । वैह चिर परिचिता छथि ।